

小博士丛书



# 彩图学古诗

CAI TU XUE GU SHI

CAI TU XUE GU SHI



中国电影出版社

★ 小博士丛书



# 彩图学古诗

编 文：刘炳生

绘 画：钟小季 王增弟



中国电影出版社

编 文 刘炳生  
绘 画 钟小季 王增弟  
责任编辑 朱彦玲  
封面设计 溪 眉  
版 式 刁先锋  
责任校对 洁 莹  
责任印制 刁先锋

小博士丛书  
彩图学古诗

*napto/b6*

出版发行 中国电影出版社(北京北三环东路22号)邮编 100013  
电话:64299917(总编室) 64216278(发行部)  
E-mail: Jsja@netchina.com.cn

经 销 新华书店  
印 刷 中国电影出版社印刷厂  
版 次 2001年6月第2版 2001年6月北京第1次印刷  
规 格 开本/850×1168毫米 1/32  
印张/6.25  
印 数 1-10000册

书 号 ISBN 7-106-01681-0/G·0509  
定 价 14.80元

# 前言

古典诗歌是人类最早的文学样式，是最好的精神食粮之一，也是艺术鉴赏的瑰宝。它对陶冶少年儿童情操，启迪他们的智慧，提高他们的文化素养，具有特别重要的意义和作用。我国古代伟大的教育家孔子就很重视诗歌在教育中的地位。他曾多次教导学生读诗，还强调说：“不学诗，无以言。”从学习语言的角度，这个提法并不过甚其词。因为人们学习语言主要靠语汇的积累，而语汇积累的惟一途径是记忆，诗歌则为记忆提供了最好的形式，它语言流畅，韵律和谐，读来朗朗上口。

教育专家们指出，十四岁以前，是人记忆的黄金时期。在这期间，学子们能积累大量的词汇，通过语言关是最理想的。为此，我们编辑了

这本《彩图学古诗》。其编选的原则是内容健康,流传广泛,代表性强,浅显易懂,容易背诵。我们真诚地希望少年儿童朋友从中获得教益,语言不断丰富。

另外,古代诗歌,毕竟离我们较为久远,为了阅读的方便,书中我们对生僻的词语加了注释,对诗文作了翻译,还根据诗意配有精美的插图。

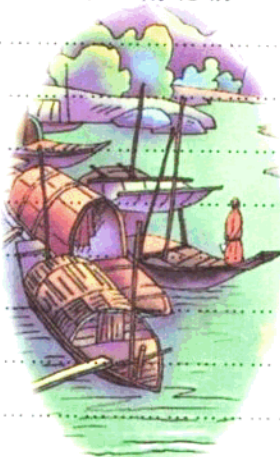




# 目 录

## 先秦至南北朝

|                |        |
|----------------|--------|
| 击壤歌 .....      | 古 歌 1  |
| 硕鼠(节选) .....   | 《诗经》 2 |
| 垓下歌 .....      | 项 籍 3  |
| 大风歌 .....      | 刘 邦 4  |
| 七步诗 .....      | 曹 植 5  |
| 归园田居(其三) ..... | 陶渊明 6  |
| 别诗 .....       | 范 云 7  |
| 寄王琳 .....      | 庾 信 8  |
| 敕勒歌 .....      | 北朝民歌 9 |
| 人日思归 .....     | 薛道衡 10 |



## 唐 宋

|                |        |
|----------------|--------|
| 野望 .....       | 王 绩 11 |
| 送杜少府之任蜀州 ..... | 王 勃 12 |
| 登鹤雀楼 .....     | 王之涣 13 |



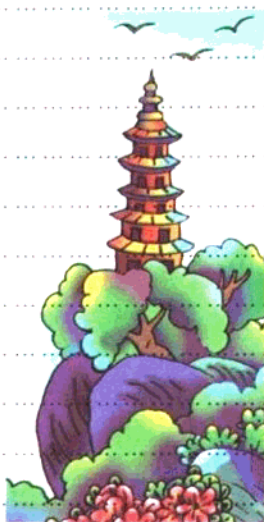


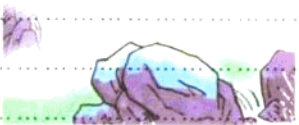
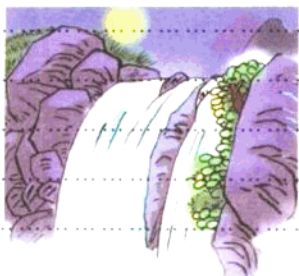
|           |     |    |
|-----------|-----|----|
| 春晓        | 孟浩然 | 14 |
| 从军行七首(其二) | 王昌龄 | 15 |
| 从军行七首(其五) | 王昌龄 | 16 |
| 出塞(其一)    | 王昌龄 | 17 |
| 送元二使安西    | 王 维 | 18 |
| 竹里馆       | 王 维 | 19 |
| 终南山       | 王 维 | 20 |
| 清平调词(其一)  | 李 白 | 21 |
| 秋登宣城谢朓北楼  | 李 白 | 22 |
| 送友人       | 李 白 | 23 |
| 静夜思       | 李 白 | 24 |
| 送孟浩然之广陵   | 李 白 | 25 |
| 赠汪伦       | 李 白 | 26 |
| 独坐敬亭山     | 李 白 | 27 |
| 秋浦歌(其十五)  | 李 白 | 28 |
| 山中问答      | 李 白 | 29 |
| 望天门山      | 李 白 | 30 |
| 春夜洛城闻笛    | 李 白 | 31 |
| 哭晁卿衡      | 李 白 | 32 |
| 次北固山下     | 王 湾 | 33 |





|                      |        |
|----------------------|--------|
| 黄鹤楼 .....            | 崔 颢 34 |
| 三绝句(其一) .....        | 杜 甫 35 |
| 绝句二首(其一) .....       | 杜 甫 36 |
| 漫成一首 .....           | 杜 甫 37 |
| 夔州歌十绝句(其一) .....     | 杜 甫 38 |
| 解闷十二首(选一) .....      | 杜 甫 39 |
| 绝句四首(其三) .....       | 杜 甫 40 |
| 绝句漫兴九首(其五) .....     | 杜 甫 41 |
| 小至 .....             | 杜 甫 42 |
| 旅夜书怀 .....           | 杜 甫 43 |
| 江南逢李龟年 .....         | 杜 甫 44 |
| 行军九日思长安故园 .....      | 岑 参 45 |
| 枫桥夜泊 .....           | 张 继 46 |
| 寒食 .....             | 韩 翃 47 |
| 滁州西涧 .....           | 韦应物 48 |
| 答李儋元锡 .....          | 韦应物 49 |
| 秋夜寄丘员外 .....         | 韦应物 50 |
| 城东早春 .....           | 杨巨源 51 |
| 早春呈水部张十八员外(其一) ..... | 韩 愈 52 |
| 春雪 .....             | 韩 愈 53 |

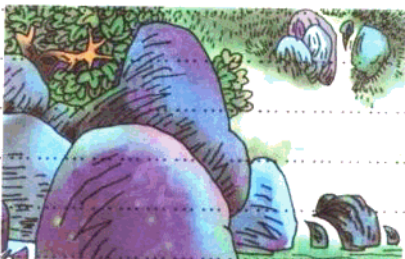




|                           |        |
|---------------------------|--------|
| 元和十年自朗州承召至京，戏赠看花诸君子 ..... | 刘禹锡 54 |
| 再游玄都观 .....               | 刘禹锡 55 |
| 乌衣巷 .....                 | 刘禹锡 56 |
| 赋得古原草送别 .....             | 白居易 57 |
| 杨柳枝词 .....                | 白居易 58 |
| 白云泉 .....                 | 白居易 59 |
| 大林寺桃花 .....               | 白居易 60 |
| 问刘十九 .....                | 白居易 61 |
| 暮江吟 .....                 | 白居易 62 |
| 教子诗 .....                 | 坎曼尔 63 |
| 菊花 .....                  | 元 稹 64 |
| 闻乐天授江州司马 .....            | 元 稹 65 |
| 题竹林寺 .....                | 朱 放 66 |
| 寻隐者不遇 .....               | 贾 岛 67 |
| 题松汀驿 .....                | 张 祜 68 |
| 清明 .....                  | 杜 牧 69 |
| 过华清宫绝句(其一) .....          | 杜 牧 70 |
| 将赴吴兴登乐游原 .....            | 杜 牧 71 |
| 江南春绝句 .....               | 杜 牧 72 |
| 泊秦淮 .....                 | 杜 牧 73 |



|              |        |
|--------------|--------|
| 题乌江亭 .....   | 杜 牧 74 |
| 山行 .....     | 杜 牧 75 |
| 乐游原 .....    | 李商隐 76 |
| 夜雨寄北 .....   | 李商隐 77 |
| 贾生 .....     | 李商隐 78 |
| 嘲小儿 .....    | 卢 肇 79 |
| 山亭夏日 .....   | 高 骈 80 |
| 上高侍郎 .....   | 高 蟾 81 |
| 华清宫 .....    | 杜 常 82 |
| 春晴 .....     | 王 驾 83 |
| 清明 .....     | 王禹偁 84 |
| 山园小梅 .....   | 林 逋 85 |
| 江上渔者 .....   | 范仲淹 86 |
| 戏答元珍 .....   | 欧阳修 87 |
| 元日 .....     | 王安石 88 |
| 泊船瓜洲 .....   | 王安石 89 |
| 北陂杏花 .....   | 王安石 90 |
| 梅花 .....     | 王安石 91 |
| 书湖阴先生壁 ..... | 王安石 92 |
| 登飞来峰 .....   | 王安石 93 |





|                      |     |     |
|----------------------|-----|-----|
| 赠外孙 .....            | 王安石 | 94  |
| 春日偶成 .....           | 程 颢 | 95  |
| 送春 .....             | 王 令 | 96  |
| 春宵 .....             | 苏 轼 | 97  |
| 饮湖上初晴后雨 .....        | 苏 轼 | 98  |
| 海棠 .....             | 苏 轼 | 99  |
| 花影 .....             | 苏 轼 | 100 |
| 村晚 .....             | 雷 震 | 101 |
| 暮春即事 .....           | 叶 采 | 102 |
| 春暮 .....             | 曹 翬 | 103 |
| 游园不值 .....           | 叶绍翁 | 104 |
| 冬景 .....             | 刘克庄 | 105 |
| 三衢道中 .....           | 曾 几 | 106 |
| 秋夜将晓出篱门迎凉有感 .....    | 陆 游 | 107 |
| 十一月四日风雨大作 .....      | 陆 游 | 108 |
| 小舟游近村，舍舟步归（选一） ..... | 陆 游 | 109 |
| 寒夜读书 .....           | 陆 游 | 110 |
| 冬夜读书示子聿 .....        | 陆 游 | 111 |
| 示儿 .....             | 陆 游 | 112 |
| 四时田园杂兴六十首（其七） .....  | 范成大 | 113 |





晓出净慈寺送林子方

杨万里 114

春日

朱 熹 115

观书有感(其一)

朱 熹 116

观书有感(其二)

朱 熹 117

立春偶成

张 栻 118

题临安邸

林 升 119

约客

赵师秀 120

蚕妇吟

谢枋得 121

湖上

徐元杰 122



## 元 明 清

山家

刘 因 123

一春

黄 庚 124

寒夜作

揭傒斯 125

墨梅

王 冕 126

赠弹琴者

萨都刺 127

烟雨中过石湖

倪 瓒 128

太华

刘 基 129

京师得家书

袁 凯 130

除夜太原寒甚

于 谦 131

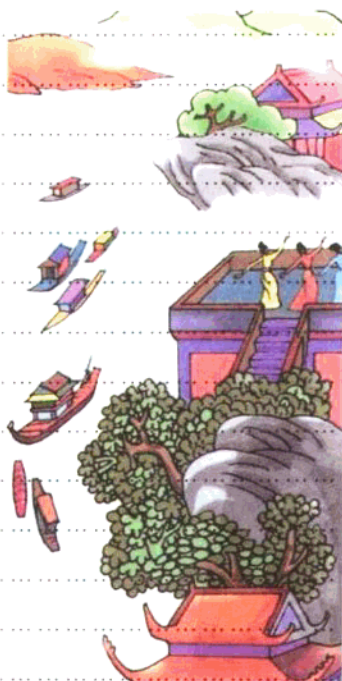
石灰吟

于 谦 132



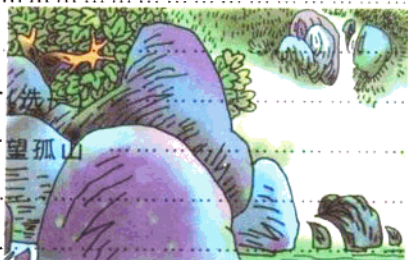


|               |         |
|---------------|---------|
| 言志 .....      | 唐 寅 133 |
| 夏口夜泊别友人 ..... | 李梦阳 134 |
| 出郊 .....      | 杨 慎 135 |
| 秋日怀弟 .....    | 谢 榛 136 |
| 登太白楼 .....    | 王世贞 137 |
| 马上作 .....     | 戚继光 138 |
| 咏牡丹 .....     | 俞大猷 139 |
| 夜泉 .....      | 袁中道 140 |
| 寄弟 .....      | 徐 燧 141 |
| 渡易水 .....     | 陈子龙 142 |
| 登恒山 .....     | 汪承爵 143 |
| 冬夜 .....      | 毛文贞 144 |
| 代父送人之新安 ..... | 陆 娟 145 |
| 舟中见猎犬有感 ..... | 宋 琬 146 |
| 送宫紫玄归广陵 ..... | 魏裔介 147 |
| 煤黑子 .....     | 吴之振 148 |
| 至南旺 .....     | 施闰章 149 |
| 绝句 .....      | 吴嘉纪 150 |
| 赠柳生 .....     | 毛奇龄 151 |
| 客发苕溪 .....    | 叶 燮 152 |





|                               |             |
|-------------------------------|-------------|
| 棉花 .....                      | 马苏臣 153     |
| 冶春绝句 .....                    | 王士禛 154     |
| 灞桥寄内二首 .....                  | 王士禛 155     |
| 太史公祠隔河望孤山 .....               | 王又旦 156     |
| 舟中书所见 .....                   | 查慎行 157     |
| 武夷采茶歌 .....                   | 查慎行 158     |
| 初秧 .....                      | 爱新觉罗·玄烨 159 |
| 望嵩山 .....                     | 吕守增 160     |
| 过许州 .....                     | 沈德潜 161     |
| 夏日述感 .....                    | 沈德潜 162     |
| 虞姬 .....                      | 吴永和 163     |
| 竹石 .....                      | 郑 燮 164     |
| 燕京杂诗 .....                    | 郑 燮 165     |
| 由桂林溯漓江至兴安 .....               | 袁 枚 166     |
| 谒岳王墓作十五绝句 .....               | 袁 枚 167     |
| 古来咏杨妃者多矣，<br>《长恨歌》中“一绝” ..... | 赵 翼 168     |
| 舟夜 .....                      | 王文治 169     |
| 别母 .....                      | 汪 中 170     |
| 别老母 .....                     | 黄景仁 171     |
| 少年行 .....                     | 黄景仁 172     |





|                  |         |
|------------------|---------|
| 自钱塘至桐庐舟中杂诗 ..... | 刘嗣绾 173 |
| 阳湖道中 .....       | 张问陶 174 |
| 月夜出西太湖作 .....    | 舒 位 175 |
| 己亥杂诗(其一) .....   | 龚自珍 176 |
| 己亥杂诗(其二) .....   | 龚自珍 177 |
| 黄山绝顶题文殊院 .....   | 魏 源 178 |
| 春江 .....         | 何绍基 179 |
| 西施咏 .....        | 金 和 180 |
| 邠州 .....         | 谭嗣同 181 |
| 狱中题壁 .....       | 谭嗣同 182 |
| 春愁 .....         | 丘逢甲 183 |
| 江行杂咏 .....       | 黄鸿翔 184 |
| 望乡 .....         | 秋 瑾 185 |
| 对酒 .....         | 秋 瑾 186 |



jī rǎng gē  
击壤歌

古 歌

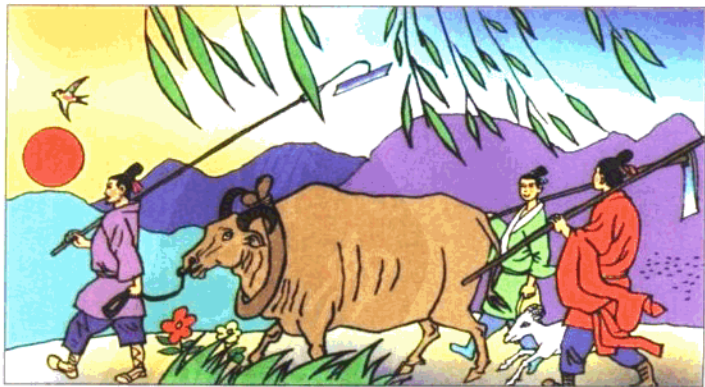
rì chū ér zuò rì rù ér xī  
日出而作，日入而息。

záo jǐn ér yǐn gēng tián ér shí  
凿井而饮，耕田而食。

dì lì yú wǒ hé yǒu zāi  
帝力于我何有哉？

【注释】击壤：按照唱歌的拍节敲打地面。这首诗是一位老人歌颂帝尧，后来它成了歌颂太平盛世的典故。作：劳动。

【译文】太阳出来就下地劳动，太阳落山就回家休息。挖井取水以供饮用，耕田收获以供食用。帝尧何必对我们花心思费力气呢？





shuò shǔ jié xuǎn  
硕鼠 (节选)

《诗经》

shuò shǔ shuò shǔ wú shí wǒ shǔ  
硕鼠硕鼠，无食我黍。  
sān suì guàn rǔ mò wǒ kěn gù  
三岁贯女，莫我肯顾。  
shì jiāng qù rǔ shì bǐ lè tǔ  
逝将去女，适彼乐土。  
lè tǔ lè tǔ yuàn dé wǒ suǒ  
乐土乐土，爰得我所。

【注释】硕鼠：大老鼠，诗中比喻贵族统治者。黍：庄稼。三岁：泛指多年，不是确数。贯女：奉养你。女：同“汝”，你。顾：体恤。逝：同“誓”，发誓。去女：离开你。适：往，到。爰：乃，才。

【译文】大老鼠啊大老鼠，你不要吃我们的庄稼。我们奉养你多年了，可你一点也不知道体恤我们。我们发誓要远远地离开你，去往那有欢乐的地方。那有欢乐的地方啊，才是我们安居乐业的场所！

